भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. ने संयुक्त पर्यावरण पहल का नेतृत्व किया

दिनांक 5 जून 2026 को असम के लेडो में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 बहुत उत्साह और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मनाया गया। इस मौके पर, लेडो ओपन कास्ट प्रोजेक्ट क्षेत्र में कोयला खदान के पारिस्थितिक बहाली के लिए पेड़ लगाने का अभियान चलाया गया। यह भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट और नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स (NEC), कोल इंडिया लिमिटेड, मार्गेरिटा की एक संयुक्त पहल है। पेड़ लगाने का यह कार्यक्रम इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम "क्लाइमेट एक्शन" के अनुरूप था, जिसमें जलवायु परिवर्तन को कम करने और इकोसिस्टम को ठीक करने के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों पर ज़ोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एक उद्घाटन सत्र के साथ हुई, जिसमें भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं के वैज्ञानिक श्री अंशुमन पटेल ने NEC, मार्गेरिटा में कोयला खदान रेस्टोरेशन प्रोजेक्ट के उद्देश्यों और प्रगति पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए, NEC-CIL के जनरल मैनेजर (E&M) श्री एम. पी. दत्ता और NEC-CIL के स्टाफ ऑफिसर (माइनिंग) श्री ज़ेड. सैलो ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व को रेखांकित किया और अवक्रमित क्षेत्रों में पेड़ लगाने की गतिविधियों की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में भाषण देते हुए, डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं., जोरहाट ने समकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय और वैश्विक जलवायु कार्यों को लागू करने की अत्यावश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने खास तौर पर कोयला खदानों से अवक्रमित ज़मीन को फिर से ठीक करने (इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन) को एक असरदार रणनीति बताया, जिससे इकोसिस्टम की मज़बूती, कार्बन सोखने की क्षमता और ज़मीन के सतत प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सके। डॉ. कुलकर्णी ने भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के तकनीकी सहायक श्री प्रशांत कार्डोंग की समर्पित कोशिशों की तारीफ़ की और उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में शामिल खास लोगों में भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के वैज्ञानिक डॉ. ध्रुबा जे. दास, NEC-CIL के डिप्टी जनरल मैनेजर श्री नरोत्तम दास, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के वैज्ञानिक डॉ. ताजुम डोनी, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के ए.सी.टी.ओ. डॉ. गिरीश गोगोई, जे.पी.एफ. श्री मोनजोन क्रो, जे.पी.एफ. श्री मणिमोय दास, परियोजना सहायक श्री कोंकण हजारिका के साथ-साथ अन्य अधिकारी और स्टाफ़ सदस्य शामिल थे। इसके बाद, लेडो ओपन कास्ट प्रोजेक्ट क्षेत्र में 5 हेक्टेयर की अवक्रमित ज़मीन पर एक औपचारिक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो पर्यावरण को बहाल करने और जलवायु के प्रति मज़बूती लाने के सामूहिक संकल्प का प्रतीक था।

ICFRE-RFRI LED THE JOINT ENVIRONMENTAL INITIATIVE

The celebration of World Environment Day (WED) 2026 was conducted with great enthusiasm and environmental commitment at Ledo, Assam, on 5 June 2026. To commemorate the occasion, a coal mine ecological restoration plantation drive was undertaken at the Ledo OCP area. This is a collaborative initiative of ICFRE–Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, and North Eastern Coalfields (NEC), Coal India Limited, Margherita. The plantation programme was aligned with this year's World Environment Day theme, "Climate Action," emphasizing nature-based solutions for climate change mitigation and ecosystem recovery. The programme commenced with an inaugural session in which Shri Anshuman Patel, Scientist, ICFRE-RFRI, highlighted the objectives and progress of the coal mine restoration project at NEC, Margherita. Addressing the gathering, Shri M. P. Dutta, General Manager (E&M), NEC-CIL, and Shri Z. Sailo, Staff Officer (Mining), NEC-CIL, underscored the significance of World Environment Day and emphasized the critical role of plantation activities in degraded areas.

Delivering the Chief Guest's address, Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, highlighted the urgency of implementing both local and global climate actions to address contemporary environmental challenges. He particularly emphasized the ecological restoration of coal mine-degraded landscapes as an effective strategy for enhancing ecosystem resilience, carbon sequestration, and sustainable land management. Dr. Kulkarni also appreciated and encouraged Mr. Prasanta Kardong, TA, ICFRE-RFRI, for his dedicated efforts. Among the distinguished participants were Dr. Dhruba J. Das, Scientist, ICFRE-RFRI, Shri Narattom Das, Deputy General Manager, NEC-CIL, Dr. Tajum Doni, Scientist, ICFRE-RFRI, and Dr. Girish Gogoi, ACTO, Sh. Monjon krow, JPF, Sh. Manimoy Das, JPF, Sh. Kongkon Hazarika, PA, ICFRE-RFRI along with other officials, and staff members. A ceremonial plantation programme was subsequently carried out on a 5-hectare degraded plot within the Ledo Open Cast Project (OCP) area, symbolizing a collective commitment to ecological restoration and climate resilience.

Photo Gallery: Highlights of the event: -

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने 05 जून, 2026 को जोरहाट (असम) के हाथीगढ़ उच्च माध्यमिक विद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 बहुत उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम का मकसद छात्रों और स्थानीय समुदाय के बीच पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना था। समारोह की शुरुआत स्कूल परिसर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान से हुई। छात्रों, शिक्षकों और आ.एफ.आर.ई. अधिकारियों ने कई तरह के स्थानीय और पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण पेड़ लगाए। प्रतिभागियों को न केवल पेड़ लगाने के लिए बल्कि उनकी सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने, हवा की गुणवत्ता सुधारने, मृदा और पानी के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पेड़ बहुत ज़रूरी हैं।

मेज़बान स्कूल के हेड मास्टर श्री मनोरंजन बोरा ने SMDC के उपाध्यक्ष श्री हेमंत राजकोनवर, चेनिआमगुरी हाई स्कूल के हेड मास्टर श्री प्रशांत गोस्वामी, शिक्षकों, छात्रों, आ.एफ.आर.ई. अधिकारियों और स्थानीय निवासियों की मौजूदगी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। स्कूल के सहायक शिक्षक श्री अविनाश बरुआ ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का संचालन किया। अपने संबोधन में, श्री बोरा ने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व और वनों की कटाई, प्रदूषण, जैव विविधता हानि और जलवायु परिवर्तन जैसे बढ़ते खतरों से पर्यावरण की रक्षा के लिए सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण क्विज़ प्रतियोगिता थी, जिसमें पर्यावरण, संस्कृति, खेल, साहित्य आदि विषयों को शामिल किया गया था। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार जानकारी का प्रदर्शन किया। भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के श्री असीम चेतिया ने क्विज़ का संचालन किया और भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. के श्री फ्रांसिस नाथ ने उनकी सहायता की। हाथीगढ़ उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोरहाट की पहली विजेता टीम (अयान अबीर दत्ता और नयन कृष्ण दत्ता), दूसरी विजेता टीम (राजदीप बोरा और प्रचुर्य प्राण शर्मा) और तीसरी विजेता टीम (मौसुमी बोरा और नंदिनी बोरा) को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एक ड्राइंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) celebrated World Environment Day-2026 on 5 June, 2026 with great enthusiasm at Hatigarh Uccha Madhyamik Bidyalaya, Jorhat (Assam). The programme aimed to create awareness among students and the local community about the importance of environmental conservation and sustainable living. The celebration commenced with a tree plantation drive organized within the school premises. Various indigenous and environmentally important tree species were planted by Students, Teachers, and RFRI officials. Participants were encouraged not only to plant trees but also to take responsibility for their protection and maintenance. The plantation programme conveyed the message that trees are vital for maintaining ecological balance, improving air quality, conserving soil and water, and mitigating the impacts of climate change.

Sri Monoranjan Borah, Head Master of the host school inaugurated the plantation progamme in presence of Sri Hemanta Rajkonwar, Vice President, SMDC; Sri Prasanta Goswami, Head Master,

Cheniamguri High Scholl; Teachers, Students, RFRI officials, and local residents. Sri Abinash Baruah, Assistant Teacher of the school conducted the plantation programme. In his address, Sri Borah highlighted the significance of World Environment Day and the urgent need for collective action to protect the environment from increasing threats such as deforestation, pollution, biodiversity loss, and climate change. A major attraction of the programme was a Quiz competition which was organized covering topics such as environment, culture, sports, literature etc. The students participated enthusiastically and demonstrated impressive knowledge. Shri Ashim Chetia of ICFRE-RFRI conducted the Quiz and he was assisted by Shri Francis Nath of ICFRE-RFRI. The first winning team, Ayan Abir Dutta and Nayan Krishna Dutta; second winning team, Rajdeep Borah and Prachuryya Pran Sharma and third winning team, Mousumi Borah and Nandini Borah, all from Hatigarh Uccha Madhyamik Bidyalaya, Jorhat were felicitated with Prizes and Certificates. A drawing competition was held on the occassion.

Photo Gallery: Highlights of the event: -

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने चेनिआमगुरी एम.ई. स्कूल, चेनिजान के साथ मिलकर 05 जून, 2026 को "प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इसमें छात्रों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण अभियान से हुई। श्री डी. के. मीना (प्रमुख, एफ.ई.सी.सी. प्रभाग) ने हेडमास्टर का स्वागत किया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. निबेदिता गुरु (वैज्ञानिक-सी, एफ.ई.सी.सी. प्रभाग) ने विश्व पर्यावरण दिवस के वैश्विक महत्व पर बात की, जबकि छात्रों और शिक्षकों ने अपने विचार साझा किए।

श्री जगत भल्लाव घोष, सुश्री सेवाली भराली और श्री अबीर घोष के समन्वय में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया; इसके बाद पुरस्कार वितरण और जलपान का आयोजन किया गया। श्रीमती मुना तमांग ने "प्रकृति के बिना भविष्य: क्या हम जीवित रह सकते हैं?" विषय पर भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन हेडमास्टर श्री दिलीप चंद्र बोरा के संबोधन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने छात्रों को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

ICFRE–Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, in collaboration with Cheniamguri M.E. School, Chenijan, observed World Environment Day 2026 on 5 June, 2026 under the theme “Inspired by Nature, For Climate, For Our Future,” with active participation from students, teachers, and scientists. The programme began with a plantation drive. Shri D.K. Meena (Head, FE&CC) welcomed the Headmaster and highlighted the importance of environmental conservation. Dr. Nibedita Guru (Scientist-C, FE&CC) spoke on the global significance of World Environment Day, while students and teachers shared their views.

A drawing competition, coordinated by Mr. Jagat Bhallav Ghosh, Ms. Sewali Bharali, and Mr. Abir Ghosh, saw enthusiastic participation, followed by prize distribution and refreshments. Mrs. Muna Tamang delivered a talk on “A Future Without Nature: Can We Survive?” The programme concluded with remarks by Headmaster Shri Dilip Ch. Borah, encouraging students to actively.

Photo Gallery: Highlights of the event:-

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम ने जोरहाट की ब्रिलिएंस एकेडमी के साथ मिलकर स्कूल परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 मनाया। इस कार्यक्रम में छात्र, शिक्षक और वैज्ञानिक शामिल हुए। यह कार्यक्रम "प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और हमारे भविष्य के लिए" थीम के तहत स्कूली छात्रों के बीच पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवन शैली के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया था। इसमें कई गतिविधियां हुईं, जैसे पौधारोपण अभियान, जानकारीपूर्ण बातचीत और चित्रकला प्रतियोगिता। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रकृति, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार और सृजनात्मकता साझा की। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल परिसर में पौधारोपण अभियान से हुई। छात्रों, शिक्षकों और अन्य लोगों ने पौधे लगाए और पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस गतिविधि ने स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखने में पेड़ों के महत्व को उजागर किया।

ब्रिलिएंस एकेडमी के प्रिंसिपल श्री महेंद्र बोरा ने प्रकृति की रक्षा करने और हरित भविष्य के लिए मिलकर काम करने के महत्व के बारे में बात की। भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. निबेदिता गुरु ने "यंग क्लाइमेट हीरोज़: स्मॉल स्टेप्स फॉर ए ग्रीनर अर्थ" (युवा जलवायु नायक: हरित पृथ्वी के लिए छोटे कदम) विषय पर एक ज्ञानवर्धक भाषण दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में बताया और छात्रों को पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाने और 'ग्रीन प्लेज' (हरित संकल्प) लेकर जलवायु नायक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. की कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रीमती मुना तमांग ने "बिना वनों के भविष्य: क्या हम जीवित रह सकते हैं?" विषय पर एक और ज्ञानवर्धक भाषण दिया। उन्होंने जैव-विविधता का समर्थन करने, जलवायु को नियंत्रित करने और मानव जीवन को बनाए रखने में वनों के महत्व को समझाया।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, वाइस प्रिंसिपल श्री सैयद अब्दुल फरेह ने अन्य शिक्षकों और वैज्ञानिकों के साथ मिलकर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये और सभी छात्रों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। कार्यक्रम का समापन श्री जगत बल्लभ, तकनीकी सहायक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. और सुश्री सेवाली (परियोजना सहायक, भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं.) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें सभी को पर्यावरण की देखभाल जारी रखने और हरित भविष्य की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ICFRE–Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, Assam, celebrated World Environment Day 2026 in collaboration with Brilliance Academy, Jorhat, at the school premises. The programme was attended by students, teachers, and scientists. The event was organized to create awareness about environmental protection and sustainable living among school students under the theme “Inspired by Nature, for Climate and for Our Future.”Several activities were conducted, including a plantation drive, popular talks, and a drawing competition. Students participated enthusiastically and shared their ideas and creativity on nature, climate change, and environmental conservation.The programme began with a plantation drive on the school campus. Students, teachers, and others planted saplings and took a pledge to protect the environment. The activity highlighted the importance of trees in maintaining a healthy environment.

Mr. Mohendra Borah, Principal of Brilliance Academy, spoke about the importance of protecting nature and working together for a greener future. Dr. Nibedita Guru, Senior Scientist, ICFRE-RFRI, delivered a popular talk on “Young Climate Heroes: Small Steps for a Greener Earth.” She explained

the effects of climate change and encouraged students to adopt eco-friendly habits and become climate heroes by taking the Green Pledge.Mrs. Muna Tamang, Junior Scientist, ICFRE-RFRI, delivered another popular talk on “A Future Without Forests: Can We Survive?” She explained the importance of forests in supporting biodiversity, regulating climate, and sustaining human life.

During the prize distribution ceremony, Mr. Syed Abdul Fareh, Vice Principal, along with other teachers and scientists, distributed prizes to the winners and appreciated the active participation of all students. The programme ended with a vote of thanks by Shri Jagat Ballav (TA, ICFRE-RFRI) and Miss Sewali (PA, ICFRE-RFRI), encouraging everyone to continue caring for the environment and work towards a greener future.

Photo Gallery: Highlights of the event :-

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के मौके पर, भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान के डॉ. प्रसून करमाकर, वैज्ञानिक-सी ने 5 जून, 2026 को डेरगाँव कमल डोवेराह कॉलेज में "अब जलवायु परिवर्तन के लिए" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया। छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए, डॉ. करमाकर ने इकोसिस्टम, जैव-विविधिता और इंसानी स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर पर प्रकाश डाला। उन्होंने सतत पद्धति, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पेड़-पौधे लगाने और पर्यावरण की सुरक्षा में लोगों की सक्रिय भागीदारी के ज़रिए तुरंत कदम उठाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने छात्रों को पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने और जलवायु-अनुकूल भविष्य बनाने में योगदान देने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में कॉलेज के वाइस-प्रिंसिपल श्री विक्रम ज्योति महंता और डेरगाँव कमल डोवेराह कॉलेज साइंस सोसाइटी के वाइस-प्रेसिडेंट डॉ. परशमोनी ठाकुर भी शामिल हुए, जिन्होंने युवाओं

के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता के महत्व पर ज़ोर दिया। लेक्चर में छात्रों और फैकल्टी सदस्यों ने हिस्सा लिया और इसके बाद जलवायु परिवर्तन और सस्टेनेबिलिटी पर बातचीत हुई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिससे विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन सार्थक रहा।

On the occasion of World Environment Day 2026, Dr. Prasun Karmakar, Scientist-C of the ICFRE-Rain Forest Research Institute, delivered a guest lecture on the theme “Now for Climate Change” at Dergaon Kamal Dowerah College on 5 June, 2026. Addressing students and faculty members, Dr. Karmakar highlighted the growing impacts of climate change on ecosystems, biodiversity, and human well-being. He emphasized the need for immediate action through sustainable practices, conservation of natural resources, afforestation, and active public participation in environmental protection. He also encouraged students to adopt eco-friendly lifestyles and contribute towards building a climate-resilient future.

The programme was graced by Shri Vikram Jyoti Mahanta, Vice-Principal of the college, and Dr. Parashmoni Thakur, Vice-President of the D.K.D. College Science Society, who stressed the importance of environmental awareness among youth. The lecture was attended by students and faculty members and was followed by an interactive discussion on climate change and sustainability. The programme concluded with a vote of thanks, marking a meaningful observance of World Environment Day.

Photo Gallery: Highlights of the event:-

WEATHER
VS
CLIMATE
SHORT-TERM STATE OF THE ATMOSPHERE
LONG-TERM PATTERN OF WEATHER
Rain
GPS Map Camera
Dergaon,Assam,India
DKD College Road, Dergaon, Dergaon, Assam 785614, India
Lat 26.697606, Long 93.967959
Friday, 05/06/2026 10:41 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera